भारत सरकार
आयुष मंत्रालय
(आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी)

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4104
19 मार्च, 2021 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुष के माध्यम से रोगों की रोकथाम

4104. श्रीमती नवनीत रवि राणाः

क्या आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष) मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और रोगों की रोकथाम हेतु लोगों को विभिन्न आयुष-आधारित उपायों से परिचित कराने के साथ-साथ प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और रोगों की रोकथाम के लिए अपनाई जा सकने वाली सस्ती/सरल पद्धतियों के बारे में उनके बीच जागरूकता बढ़ाने हेतु कोई कदम उठाया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

युवा मामलों और खेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
और आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी मंत्रालय के
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) का अतिरिक्त प्रभार (श्री किरेन रिजीजू)

(क) और (ख): जी, हां। आयुष मंत्रालय ने रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने सहित रोगों की रोकथाम में अपनाए जा सकने वाले सस्ते और सरल अभ्यासों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर आरोग्य मेलों, प्रदर्शनियों, संगोष्ठियों, मेलों का परंपरागत ढंग से आयोजन किया है। इसके अलावा, कोविड-19 महामारी की शुरुआत में मंत्रालय ने सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) अपनी योजना को नया रूप दिया जिसमें संचार के वर्चुअल माध्यम का ईष्टतम उपयोग किया गया। इस संबंध में की गई कारवाई का ब्यौरा निम्नानुसार हैः

(i) आयुष मंत्रालय ने 29.01.2020 को एक एडवाइजरी जारी की कि कोविड से कैसे कोई अपना बचाव कर सकता है और कैसे स्वस्थ रह सकता है। मंत्रालय ने 06.03.2020 को सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के मुख्य सचिवों को भी पत्र लिखा है जिसमें लोगों की सामान्य रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और संभावित आयुष उपचार के बारे में और अधिक विशिष्ट सुझाव दिए गए हैं। मंत्रालय ने श्वसन स्वास्थ्य का विशेष उल्लेख करते हुए निवारक स्वास्थ्य उपायों के साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए 31.03.2020 को स्व-देखभाल दिशानिर्देश भी जारी किए हैं।

(ii) आयुष की अलग-अलग पद्धतियों के पंजीकृत चिकित्साभ्यासियों के लिए दिशानिदेश, अनुसंधान परिषदों और राष्ट्रीय संस्थानों द्वारा अपने विशेषज्ञों की टीम के साथ मिलकर तैयार किए गए है और आयुष मंत्रालय के अंतरविषयक आयुष अनुसंधान और विकास कायदल द्वारा इनकी पुनरीक्षा की गई है। ये पुनरीक्षित दिशानिदेश 7,00,000 से अधिक पंजीकृत आयुष चिकित्साभ्यासियों के लाभार्थ पब्लिक डोमेन मे उपलब्ध कराए गए है ताकि कोविड-19 महामारी के एक समान प्रबंधन मे मदद मिल सके।

(iii) **रोग प्रतिरक्षण हेतु आयुष अभियानः** आयुष मंत्रालय ने "रोग प्रतिरक्षण हेतु आयुष" नाम से अगस्त, 2020 मे तीन माह का एक अभियान चलाया था जिसका उद्देश्य जनमानस मे घर पर देखभाल के कारगर उपायों और सुझाए गए आयुष अभ्यासों के बारे मे जागरूकता पैदा करना था ताकि उन्हे उनकी रोग निरोधक क्षमता बढ़ाने मे मदद दी जा सके। संपूर्ण अभियान के दौरान, कई कायक्रमों जैसे सोशल मीडिया प्रतियोगिताएं, ऑनलाइन भाषण और वर्चुअल संगोष्ठियों का आयोजन किया गया, जिनसे आयुष मंत्रालय की समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंच बढ़ी है। यह विषय-आधारित अभियान था, जिसमे आहार, विहार और निद्रा विषयों को क्रमश: सितंबर, अक्तूबर और नवंबर, 2020 के महीनों के लिए शामिल किया गया था। मंत्रालय के अधीन विभिन्न संस्थानों द्वारा जन-जागरूकता के लिए अनेक पहुंच कायकलाप आयोजित किए गए।

(iv) **वर्चुअल प्लेटफार्मों पर वेबिनारों का आयोजनः** आयुष मंत्रालय ने अपने आयुष वर्चुअल कन्वशन सटर (एवीसीसी) प्लेटफॉम सहित विभिन्न प्लेटफार्मों के जरिए विभिन्न विषयों पर वेबिनारों का आयोजन किया। प्रतिरोधक क्षमता के विषय पर 14 अगस्त, 2020 से कुल 6 वेबिनार आयोजित किए गए।

(v) **सामुदायिक रेडियो कायक्रमः** आयुष मंत्रालय ने सामुदायिक रेडियो स्टेशनों (सीआरएस) के जरिए ग्रामीण और अर्द्धशहरी आबादी मे रोग प्रतिरोधक के बारे मे जानकारी का प्रसार करने के लिए एक अंतर सरकारी संगठन कॉमनवेल्थ एजूकेशनल मीडिया सटर फॉर एशिया (सीईएमसीए) को भी इस काय मे शामिल किया। सामुदायिक रेडियो स्टेशनों से 10.12.2020 से 10.02.2021 तक प्रत्येक दिन दो बार पांच मिनट का प्रसारण किया गया।

(vi) **MYGOV.IN सहित सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर प्रतियोगिताएं**: जानकारी के प्रसार और सूचना प्राप्ति की प्रक्रिया को रो□□□ □□ □□□-प्रि□ बनाने के उद्देश्य को लेकर मंत्रालय ने प्रतियोगिताओं □□ प्रतिस्पर्द्धाओं का भी प्रायोगिक तौर पर □□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ (□□□□□□□□□) प्र□□□□□□ एक महत्वपूण कायक्रम था जिसमे 46,000 लोगों ने भाग लेते हुए अंतरराष्ट्रीय यो□ □□□□ (□□□□□□) 2020 □□□□□□ अपने योग से संबंधित वीडियो अपलोड किए। विश्व भर मे लोगों के लिए इस प्रतियोगिता मे भाग लेने की व्यवस्था की गई थी। इसके अलावा, आयुष मंत्रालय के सोशल मीडिया चैनलों, □□□□स□□□त□ □□□□□ □□ MYGOV.IN □□□□ □□□ प्र□□क्ष□ के विषय पर निबंध लेखन, प्रश्नोत□□ प्रतियोगिता, □□□ वीडियो कन्टेस्ट आदि जैसी कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।

(vii) **कोविड से संबंधित उपचारों पर वेबसाइट को अद्यतन करनाः** □□□ □त्रा□□ □□ □□□□स□□□त□ संगठनों की वेबसाइट को रोग प्रतिरक्षण से संबंधित उपायों पर जानकारी के साथ नियमित रूप से □द्□□□ □□□□ □□□□

(viii) **संजीवनी ऐपः** आयुष मंत्रालय ने भी अपने सूचना अभियान के प्रभाव और आयुष आधारित उपायों की कारगरता का आकलन करने का एक नया तरीका शुरू किया। आईटी आधारित अनुप्रयोग, नामतः आयुष □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□ एकत्र किया गया।

(ix) □□□ □त्रा□□ □□**"कोविड-19 के प्रबंधन हेतु आयुवद और योग पर आधारित राष्ट्रीय नैदानिक प्रबंधन प्रोटोकॉल"** जारी किया है जिसे राष्ट्रीय कायदल द्वारा अंतर्विषयक समिति की रिपोर्ट और सिफारिशों के अनुसार अखिल भारतीय आयुवद संस्था□ (□□□□□□), दिल्ली; □□□□ स्□□□□□□□ प्रशिक्षण और अनुसंधान □स्□□ (□□□□□□□□□), □□□□□□; राष्ट्री□ □□□□ □स्□□ (□□□□□), □□□□; केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान □□□□□□ □□□□ (□□□□□□□□); केंद्रीय योग व प्राकृतिक चिकित्सा □□□□□□ □□□□ (□□□□□□□□□□) □□ □न्□ □ष्ट्री□ अनुसंधान संगठनों की विशेषज्ञ समितियों की सहमति से तैयार किया गया है।

(x) **वीडियो तैयार करनाः** भारतीय राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) □□ □□□□□ □□□□□□ भारतीय आयुवद संस्थान (□□□□□□, □□ □□ल्□□) □□ '□□□□-19 □□स्□□के□□' □□ 17 मिनट का एक वीडियो □□□□ □□ □□। इस वीडियो को समुचित रूप से छोटा □□□ गया और विश्व आयुवद दिवस के अवसर पर □□□□ राष्ट्रव्यापी प्र□□□ □□□ □□□

(xi) आयुवद दिवस, सिद्ध दिवस और यूनानी दिवस पर प्रतिरोधक क्षमता से संबंधित वेबिनार आयोजित किए □□□

(□): प्रश्□ □□□□□□□□

****